अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान इज्जतनगर द्वारा 22 मई, 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृशकों में जागरूकता उत्पन्न करने के लिये "कृषक वैज्ञानिक वार्तालाप" का भी आयोजन किया गया जिसमें बरेली जनपद के विभिन्न गावों से आये कृषक एवं कृशक महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक डा. राजकुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में जैव विविधता दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण का संतुलित बना रहे और अगर पर्यावरण संतुलित नहीं है तो हमारी जिंदगी भी संतुलित नहीं है इसलिए पर्यावरण का संतुलित होना जरूरी है और जब हम पर्यावरण के संतुलन को बनाये रखने की बात करते हैं तो इसमें धरती, आकाश, पानी सब शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकास करने के साथ-साथ इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि पर्यावरण को कम क्षति पहुँचे तथा उसकी भरपाई कैसे की जा सकती है। डा. सिंह ने देशी प्रजाति पर जोर देते हुए कहा कि देशी प्रजाति का आज आप कुछ भी पैदा करेंगे चाहे वह फसलें हो या फल हो उससे आपको ज्यादा आय मिलेगी। इसी तरह जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने कहा कि जमीन में छोटे-छोटे कीटाणु होते हैं जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं परन्तु फसलोउपरान्त भूमि में आग लगाने या पराई जलाने से ये कीटाणु मर जाते हैं। अतः भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए आवश्यक है

कि पराई या फसलोपरांत भूमि में आग न लगायें। अंत में डा. सिंह ने किसानों से मिश्रित खेती के साथ-साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन तथा अन्य साधनों को अपनाये तथा रोजगार का करें तथा अच्छी आमदनी प्राप्त करें।

संस्थान के संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डा. महेश चन्द्र ने बताया कि जैव विविधता दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि वनस्पतियों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि प्राचीन काल में विभिन्न प्रकार की बनस्पतियाँ पायी जाती है जिनमें से कुछ आज विलुप्त होने के कगार पर है उन्होंने कहा कि विश्व में कोई भी वनस्पति ऐसी नहीं है जिसमें औषधि गुण न हो। अतः आज इन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता है। डा. महेश चन्द्र ने आगे बताया कि यह कार्यक्रम निदेशक महोदय के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा. बी.पी. सिंह ने उपस्थित सभी गणमान्य लोगों को स्वागत करते हुए इस दिवस के महत्व पर बताया कि पूरे विश्व में सन् 1993से विश्व जैव विविधता दिवस मनाया जा रहा है और आज इसकी 25वीं वर्ष गांठ है। जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों के रोपण के समय में परिवर्तन देखे गये हैं इसी उद्देश्य से किसानों को जागरूक करने के लिए यह कार्यक्रम संस्थान में आयोजित किया गया। साथ कृशकों को फसल अवषेश न जलाने की अपील भी की। इस अवसर पर बरेली के प्रभारी कृषि ज्ञान केन्द्र डा. अजय सेन चैधरी एवं पशुपोषण विभाग के विभागाध्यक्ष डा. ए.के. वर्मा तथा प्रगतिशील कृषक इंजीनियर श्री अनिल कुमार साहनी ने भी अपने विचार रखे साथ ही एक अन्य प्रगतिषील कृशक श्री साॅवलिया शरण सिंह द्वारा मधुमक्खी पालन पर एक व्याख्यान भी दिया गया।

इस अवसर पर कृषकों के ज्ञान वर्धन हेतु एक किसान गाश्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों ने कृशकों द्वारा पूछे गये प्रष्नों का उत्तर देकर उनकी समस्या का निराकरण किया। इस अवसर पर अनेकों कृशकों ने अपने फार्म उत्पादों (जैसे षहद, मषरूम, अधिक भार वाली प्याज इत्यादि) का प्रदर्षन भी किया जिसकी निदेषक महोदय द्वारा सराहना की गयी। इस कार्यक्रम में कुल 160 कृशकों, वैज्ञानिकों,संस्थान

के छात्रों तथा कृशकों एवं कृशक महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कुल 45 कृशक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में डा. पी.एस. बनर्जी, डा. संजय पाॅण्डे, डा. आर. पी. सिंह, डा. एस. महमूद, डा. एस. के. घोश,डा. मुखर्जी, डा. राम सिंह सुमन, डा. सुमन तालुकदार, डा. हरि ओम पाॅण्डे, डा. अमित कुमार, डा. पचयेप्पन इत्यादि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा.बी.पी. सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन इसी केन्द्र के विषेशज्ञ श्री रंजीत सिंह द्वारा किया गया।